नं. 1

संजीव®

बुक्स

अनिवार्य हिन्दी-XII

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए

पूर्णतः नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2025 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2026

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर–3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  पंजाबी प्रेस, जयपुर

  ★★★★★★

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान
पाठ्यक्रम

अनिवार्य हिन्दी–कक्षा 12

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है—

प्रश्न-पत्र	समय (घण्टे)	प्रश्न-पत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एक पत्र	3.15	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	12
रचनात्मक लेखन	18
व्यावहारिक व्याकरण	08
पाठ्यपुस्तक : **आरोह** (भाग-2)	31
पाठ्यपुस्तक : **वितान** (भाग-2)	11

खण्ड-1

अपठित बोध **12 अंक**

(1) अपठित गद्यांश (तीन बहुचयनात्मक एवं तीन अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) 6 अंक

(2) अपठित पद्यांश (तीन बहुचयनात्मक एवं तीन अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) 6 अंक

खण्ड-2

रचनात्मक लेखन **18 अंक**

(1) निबन्ध लेखन (विकल्प सहित) (300 शब्द) 5 अंक

(2) पत्र व प्रारूप लेखन (अर्द्धशासकीय-पत्र, निविदा, विज्ञप्ति, ज्ञापन, अधिसूचना) (विकल्प सहित) 5 अंक

अभिव्यक्ति एवं माध्यम पाठ्यपुस्तक पर आधारित–

(3) विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन पर आधारित दो बहुचयनात्मक एवं एक लघूत्तरात्मक प्रश्न (लगभग 40 शब्द) 4 अंक

(4) विशेष लेखन—स्वरूप और प्रकार (एक लघूत्तरात्मक प्रश्न–लगभग 40 शब्द) 2 अंक

(5) कहानी का नाट्य रूपांतरण/रेडियो नाटक (एक लघूत्तरात्मक प्रश्न–लगभग 40 शब्द) 2 अंक

व्यावहारिक व्याकरण **8 अंक**

(दो बहुचयनात्मक एवं छः रिक्त स्थान पूर्ति के प्रश्न)

(1) भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय 2 अंक

(2) शब्द शक्ति — 2 अंक

(3) अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, वक्रोक्ति, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान — 2 अंक

(4) पारिभाषिक शब्दावली — 2 अंक

खण्ड-3

पाठ्यपुस्तक–आरोह-भाग 2 — **31 अंक**

(1) 1 सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) — 4 अंक

(2) 1 सप्रसंग व्याख्या पद्य भाग से (विकल्प सहित) — 4 अंक

(3) किसी एक कवि या लेखक का परिचय (विकल्प सहित) (60-80 शब्दों में उत्तर) — 3 अंक

(4) गद्य भाग से तीन बहुचयनात्मक, दो अतिलघूत्तरात्मक (लगभग 20 शब्द प्रत्येक), एक लघूत्तरात्मक (लगभग 40 शब्द) एवं विकल्प सहित एक दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (60-80 शब्दों में उत्तर) — 10 अंक

(5) पद्य भाग से तीन बहुचयनात्मक, दो अतिलघूत्तरात्मक (लगभग 20 शब्द प्रत्येक), एक लघूत्तरात्मक (लगभग 40 शब्द) एवं विकल्प सहित एक दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (60-80 शब्दों में उत्तर) — 10 अंक

खण्ड-4

पाठ्यपुस्तक–वितान भाग 2 — **11 अंक**

(1) एक दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) (60-80 शब्दों में उत्तर) — 3 अंक

(2) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (लगभग 40 शब्द प्रत्येक) — 4 अंक

(3) दो बहुचयनात्मक एवं दो अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (लगभग 20 शब्द प्रत्येक) — 4 अंक

निर्धारित पुस्तकें–

1. **आरोह-भाग 2**–एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
2. **वितान-भाग 2**–एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
3. **अभिव्यक्ति एवं माध्यम**–एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

नोट– विद्यार्थी उपर्युक्त पाठ्यक्रम को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की Website पर उपलब्ध अधिकृत पाठ्यक्रम से मिलान अवश्य कर लें। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की Website पर उपलब्ध पाठ्यक्रम ही मान्य होगा।

विषय-सूची

आरोह भाग-2

काव्य-खण्ड

1.	हरिवंश राय बच्चन	1-14
2.	आलोक धन्वा	14-23
3.	कुँवर नारायण	23-35
4.	रघुवीर सहाय	36-47
5.	शमशेर बहादुर सिंह	47-54
6.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	54-65
7.	गोस्वामी तुलसीदास	65-80
8.	फिराक गोरखपुरी	80-87
9.	उमाशंकर जोशी	87-94

गद्य-खण्ड

10.	भक्तिन	(महादेवी वर्मा)	95-111
11.	बाजार दर्शन	(जैनेन्द्र कुमार)	112-131
12.	काले मेघा पानी दे	(धर्मवीर भारती)	131-144
13.	पहलवान की ढोलक	(फणीश्वरनाथ 'रेणु')	144-157
14.	शिरीष के फूल	(हजारी प्रसाद द्विवेदी)	157-172
15.	(i) श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा		
	(ii) मेरी कल्पना का आदर्श समाज	(बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर)	172-186

वितान भाग-2

1.	सिल्वर वैडिंग	(मनोहर श्याम जोशी)	187-203
2.	जूझ	(आनन्द यादव)	203-217
3.	अतीत में दबे पाँव	(ओम थानवी)	217-230

अपठित बोध

1.	अपठित काव्यांश	231-257
2.	अपठित गद्यांश	258-282

रचनात्मक लेखन

1. निबन्ध-लेखन		**283-336**
1.	वैवाहिक उत्सवों में बढ़ता दिखावा	284
2.	हमारे बुजुर्ग-हमारी धरोहर	285
3.	मेरा पहला शैक्षणिक भ्रमण	286
4.	साइबर अपराध के बढ़ते कदम	

	अथवा	
	सूचना प्रौद्योगिकी में बढ़ते अपराध	287
5.	कृत्रिम बुद्धिमता (AI) वरदान या अभिशाप	
	अथवा	
	कृत्रिम बुद्धिमता	
	अथवा	
	कृत्रिम बुद्धिमता मानवता के लिए घातक है	287
6.	वैश्विक महामारी के दौर में ऑनलाइन शिक्षण	288
7.	बाढ़ का दृश्य	289
8.	भारत की ऋतुएँ	290
9.	नारी शिक्षा : आज की आवश्यकता	290
10.	राजस्थान की सतरंगी संस्कृति	291
11.	महिला सशक्तिकरण	
	अथवा	
	स्त्री सशक्तिकरण	292
12.	पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतें	293
13.	कोरोना वायरस—21वीं सदी की महामारी	
	अथवा	
	कोरोना महामारी–एक अभिशाप	
	अथवा	
	कोरोना वायरस महामारी के सामाजिक–आर्थिक प्रभाव	294
14.	'मेक इन इंडिया' अभियान	
	अथवा	
	मेक इन इण्डिया अथवा स्वदेशी उद्योग	294
15.	आत्मनिर्भर भारत	295
16.	स्वास्थ्य रक्षा : आयुष्मान योजना	
	अथवा	
	स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है	296
17.	कैशलेस अर्थव्यवस्था : चुनौतीपूर्ण सकारात्मक कदम	296
18.	स्वच्छता का महत्त्व	297
19.	भारतीय संस्कृति का अनुपम उपहार : योग	
	अथवा	
	योग की उपादेयता	
	अथवा	
	योग : स्वास्थ्य की कुंजी	
	अथवा	
	योग भगाएँ रोग	298
20.	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	299
21.	शिक्षा का अधिकार	

अथवा
अनिवार्य बाल-शिक्षा का अधिकार 299
22. रोजगार गारन्टी योजना : मनरेगा
अथवा
मनरेगा : गाँवों में रोजगार योजना
अथवा
गाँवों के विकास की योजना : मनरेगा 300
23. आतंकवाद : वैश्विक क्षितिज पर
अथवा
आतंकवाद : एक वैश्विक समस्या 301
24. खाद्य पदार्थों में मिलावट और भारतीय समाज
अथवा
मिलावटी माल का बढ़ता कारोबार 302
25. प्लास्टिक थैली : पर्यावरण की दुश्मन
अथवा
प्लास्टिक कैरी बैग्स : असाध्य रोगवर्धक 302
26. बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ; कारण और निवारण
अथवा
बढ़ते वाहन : घटता जीवन-धन
अथवा
वाहन-वृद्धि से स्वास्थ्य-हानि 303
27. बालिका शिक्षा 304
28. मानवता के लिए चुनौती-कन्या-भ्रूण-हत्या
अथवा
कन्या-भ्रूण हत्या : लिंगभेद का अपराध 304
29. मेरा प्रिय कवि
अथवा
मेरा प्रिय साहित्यकार : गोस्वामी तुलसीदास 305
30. हमारे महाकाव्य 306
31. पर्वतीय क्षेत्र की मेरी यात्रा
अथवा
पर्वतीय स्थल की मेरी यात्रा 306
32. सर्व शिक्षा अभियान
अथवा
शिक्षा का प्रसार : उन्नति का द्वार
अथवा
साक्षरता अभियान के बढ़ते कदम 307
33. इन्टरनेट-सूचना क्रान्ति
अथवा
इन्टरनेट : सूचना एवं ज्ञान का भण्डार

अथवा
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट की आवश्यकता 308
34. राजस्थान के पर्यटन स्थल
अथवा
राजस्थान में पर्यटन की संभावनाएँ
अथवा
राजस्थान और पर्यटन की सम्भावनाएँ 309
35. राजस्थान के प्रसिद्ध मेले
अथवा
राजस्थान के प्रमुख पर्वोत्सव 310
36. घटती सामाजिकता : बढ़ते संचार साधन
अथवा
संचार क्रांति और समाज 310
37. समाज-निर्माण में नारी की भूमिका
अथवा
समाज में नारी के बढ़ते कदम
अथवा
समाज में नारी का योगदान 311
38. अतिवृष्टि का वह दिन
अथवा
जब गाँव में भीषण वर्षा हुई 312
39. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सैनिक शिक्षा 313
40. सामाजिक संचार माध्यमों (सोशियल मीडिया) का बढ़ता दुरुपयोग 313
41. आधुनिक सूचना - प्रौद्योगिकी
अथवा
सूचना-क्रांति के युग में भारत 314
42. कम्प्यूटर : अभिशाप या वरदान
अथवा
कम्प्यूटर के चमत्कार 315
43. राष्ट्र के प्रति हमारा नैतिक दायित्व
अथवा
राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व 315
44. समाज में जीवन मूल्यों का महत्त्व 316
45. मानव के लिए विज्ञान : वरदान या अभिशाप 317
46. वर्तमान की महती आवश्यकता : राष्ट्रीय एकता
अथवा
राष्ट्रीय और भावात्मक एकता
अथवा
राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता 317
47. वर्तमान शिक्षा और सदाचार

	अथवा	
	वर्तमान शिक्षा-प्रणाली : गुण और दोष	318
48.	विद्यार्थी और वर्तमान राजनीति	319
49.	युवा छात्रों में बढ़ता असंतोष	319
50.	नये भारत की आशा-युवावर्ग	
	अथवा	
	राष्ट्र-निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका	
	अथवा	
	विद्यार्थियों का राष्ट्र-निर्माण में योगदान	
	अथवा	
	युवा शक्ति एवं चुनौतियाँ	320
51.	भारत में लोकतंत्र-मेरी दृष्टि में	
	अथवा	
	भारत में जनतंत्र का भविष्य	321
52.	इक्कीसवीं सदी की कल्पनाएँ व सम्भावनाएँ	
	अथवा	
	मेरे सपनों का भारत	322
53.	विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की महत्ता	
	अथवा	
	विद्यार्थी-जीवन एवं अनुशासन	
	अथवा	
	अनुशासन का महत्त्व	322
54.	घटते रोजगार-बढ़ती बेरोजगारी	
	अथवा	
	बेरोजगारी की समस्या	
	अथवा	
	बेरोजगारी की समस्या : कारण और निराकरण के उपाय	323
55.	समाचार-पत्र	
	अथवा	
	समाचार-पत्रों का महत्त्व	324
56.	दहेज-दानव	
	अथवा	
	समाज का अभिशाप : दहेज प्रथा	325
57.	महँगाई : समस्या और समाधान	
	अथवा	
	बढ़ती महँगाई : घटता जीवन स्तर	
	अथवा	
	मूल्यवृद्धि की समस्या	
	अथवा	
	बढ़ती महँगाई का जीवन पर प्रभाव	325
58.	राजस्थान का अकाल	326

59. भ्रष्टाचार का महादानव
अथवा
भ्रष्टाचार : कारण व निवारण 327
60. राजस्थान के लोकगीत 328
61. बाल-विवाह : सामाजिक अभिशाप 328
62. मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप 329
63. जल-संरक्षण : हमारा दायित्व
अथवा
जल है तो जीवन है 330
64. मनोरंजन के आधुनिक साधन 330
65. कम्प्यूटर शिक्षा-आधुनिक समय की आवश्यकता
अथवा
कम्प्यूटर शिक्षा की उपयोगिता 331
66. नदी जल स्वच्छता अभियान 332
67. राजस्थान में बढ़ता जल-संकट 332
68. पर्यावरण प्रदूषण
अथवा
बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण : एक समस्या 333
69. पर्यावरण संरक्षण परमावश्यक
अथवा
पर्यावरण संरक्षण और युवा 334
70. निरक्षरता : एक अभिशाप 334
71. कटते जंगल : घटता मंगल 335
72. विद्यार्थी जीवन में नैतिक शिक्षा की उपयोगिता
अथवा
नैतिक शिक्षा का महत्त्व 336

2. पत्र एवं प्रारूप लेखन (अर्द्ध शासकीय पत्र, निविदा, विज्ञप्ति, ज्ञापन, अधिसूचना) 337-366
3. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन 367-380
4. विशेष लेखन—स्वरूप और प्रकार 381-385
5. कहानी का नाट्य रूपान्तरण 386-389
6. रेडियो नाटक 390-392

व्यावहारिक व्याकरण

(1) भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय 393-400
(2) शब्द-शक्ति 401-409
(3) अलंकार 409-423
(4) पारिभाषिक शब्दावली 423-432

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
(2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
(5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **[16 × 1 = 1]**

(i) 'स्टिंग ऑपरेशन' किस पत्रकारिता का रूप है? [1]
(अ) खोजी पत्रकारिता (ब) वॉचडॉग पत्रकारिता
(स) एडवोकेसी पत्रकारिता (द) वैकल्पिक पत्रकारिता

(ii) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौनसा है? [1]
(अ) रेडियो (ब) दूरदर्शन
(स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम (द) इंटरनेट

(iii) भाषा की ध्वनियों को जिन लेखन चिह्नों में लिखा जाता है उसे क्या कहते हैं? [1]
(अ) भाषा (ब) लिपि (स) बोली (द) स्वर

(iv) एक सीमित क्षेत्र में बोले जाने वाले भाषा के स्थानीय रूप को कहा जाता है— [1]
(अ) बोली (ब) स्वर (स) व्यञ्जन (द) भाषा

(v) 'एक गीत' शीर्षक कविता किस संग्रह से ली गई है? [1]
(अ) कोई दूसरा नहीं (ब) इन दिनों (स) बात सीधी थी पर (द) निशा-निमंत्रण

(vi) 'कवितावली' किस कवि की रचना है? [1]
(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास (स) कबीर (द) रसखान

(vii) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि को चौकोर खेत किसकी तरह लगता है? [1]
(अ) कागज का पन्ना (ब) बगुलों के पंख (स) काले बादल (द) अंधड़

(viii) 'भक्तिन' का असली नाम क्या था? [1]
(अ) गोपालिका (ब) अंजना (स) लछमिन (लक्ष्मी) (द) भक्तिन

(ix) 'भगत जी' बाजार चौक में क्या बेचते थे? [1]
(अ) ज़ीरा (ब) चूरन (स) काला नमक (द) कुछ नहीं

(x) लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वन्द्व का सुन्दर चित्रण किस पाठ में है? [1]
(अ) काले मेघा पानी दे (ब) भक्तिन (स) बाज़ार दर्शन (द) पहलवान की ढोलक

(xi) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ किसके भाषण का हिन्दी रूपांतर है? [1]
(अ) भीमराव आंबेडकर (ब) महादेवी वर्मा
(स) फणीश्वर नाथ 'रेणु' (द) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(xii) 'जो हुआ होगा' जुमले में क्या भाव निहित है? [1]
(अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव (ब) प्रापर-विकास
(स) तरक्की को स्वीकारना (द) परायापन

(xiii) 'वाई. डी. पंत' का पूरा नाम क्या था? [1]
(अ) यशोदा पंत (ब) यशवंत पंत (स) यशोधर पंत (द) यश कुँवर पंत

(xiv) पाठशाला में लेखक की मित्रता किसके साथ हुई? 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइए। [1]
(अ) वसंत पाटिल (ब) मास्टर मंत्री (स) केशव करणी (द) मास्टर सौंदलगेकर

(xv) दुनिया के दो सबसे पुराने नियोजित शहर माने जाते हैं— [1]
(अ) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा (ब) नागरभारत और गढ़
(स) मिश्र और मेसोपोटामिया (द) महाकुंड और पूरब की बस्ती

(xvi) 'जूझ' पाठ के लेखक का नाम है— [1]
(अ) ओम थानवी (ब) मनोहर श्याम जोशी (स) यशपाल (द) आनन्द यादव

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— [6 × 1 = 6]

(i) शब्द की जिस शक्ति से किसी शब्द के सबसे साधारण लोक-प्रचलित अथवा मुख्य अर्थ का बोध होता है, उसे .... शब्द शक्ति कहते हैं। [1]

(ii) 'नरेश तो बैल है।' वाक्य में .... शब्द शक्ति है। [1]

(iii) 'पानी गए न ऊबरे मोती मानस, चून'–'पानी' शब्द में .... अलंकार है। [1]

(iv) जब किसी व्यक्ति के एक अर्थ में कहे गये शब्द या वाक्य का कोई दूसरा व्यक्ति जानबूझकर दूसरा अर्थ कल्पित करे तो वहाँ .... अलंकार होता है। [1]

(v) 'ANNUAL' शब्द का सही हिन्दी शब्द (पारिभाषिक शब्द) .... है। [1]

(vi) 'शिविर' शब्द के लिए सही अंग्रेजी शब्द (पारिभाषिक शब्द) .... है। [1]

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए— [6 × 1 = 6]

चरित्र-बल मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है। मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों और कठिनाइयों का सामना कर सकता है। चरित्र किसी व्यक्ति, समाज अथवा राष्ट्र की मूलाधार शक्ति है। सम्मानपूर्वक और सफल जीवन व्यतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना नितांत आवश्यक है। दूसरों पर जितना अधिक गहरा प्रभाव चरित्र का पड़ता है, उतना अन्य किसी गुण का नहीं। जीवन को सुख-शांति तथा आनंद से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को निरंतर सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए। दुश्चरित्र व्यक्ति समाज का कोढ़ है, मानवता का कलंक है। सत्चरित्र ही सफलता की कुंजी है। सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान सुगंधित शव के समान है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]
(ii) मनुष्य का सर्वोत्तम गुण क्या है? [1]
(iii) चरित्र की शक्ति से मनुष्य क्या-क्या कर सकता है? [1]
(iv) उत्तम चरित्र का होना किसलिए आवश्यक है? [1]
(v) मनुष्य को सच्चरित्र बनने का प्रयास क्यों करना चाहिए? [1]
(vi) सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान किसके समान होता है? [1]

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए— [6 × 1 = 6]

मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै?
जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी फिरि जहाज पर आवै॥
कमल-नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंग को छाँड़ि पियासो, दुरमति कूप खनावै॥
जिहि मधुकर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यौं करील फल भावै।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]
(ii) जहाज का पंछी उड़कर कहाँ जाता है? [1]
(iii) गंगा के जल को छोड़कर कुँआ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने क्या कहा है? [1]
(iv) करील के फल किसे अच्छे नहीं लगते? [1]

(v) 'मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै?'-पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [1]

(vi) 'पियासो' शब्द का क्या अर्थ है? [1]

खण्ड-ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए–

5. समाचार-लिखते समय कितने ककारों को ध्यान में रखा जाता है? परिचय दीजिए। [2]
6. ''अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।'' कहते हुए उनकी आँखों में नमी चमक गई।
– 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर उपर्युक्त कथन के भाव को संक्षेप में लिखिए। [2]
7. पहले दिन ही कक्षा में बैठने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया? 'जूझ' पाठ के आधार पर लिखिए। [2]
8. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में रघुवीर सहाय ने किस सामाजिक विडंबना को उभारने का प्रयास किया है? [2]
9. लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन कब सवार हुई? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए। [2]

खण्ड-स

प्रश्न संख्या 10 से 14 तक के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए–

10. ''जाति-प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है।'' पंक्ति को 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

अथवा

बाजार का जादू कैसे काम करता है? — 'बाजार दर्शन' पाठ के आधार पर समझाइए।

11. ''यह एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है।''— पंक्ति के आधार पर 'कविता के बहाने' कविता की मूल संवेदना लिखिए। [3]

अथवा

''किसबी किसान-कुल ....'' छंद में तुलसीदास जी के अनुसार 'पेट की ज्वाला' का समाधान क्या है? समझाइए।

12. किशनदा के दिल्ली से चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने किशनदा की किन परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश की? [3]

अथवा

मुअनजो-दड़ो की गलियों में घूमते हुए लेखक को अनचाहे ही राजस्थान का ख्याल क्यों आया? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर लिखिए।

13. हरिवंश राय बच्चन अथवा धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय लिखिए। [3]
14. फ़ीचर कितने प्रकार के होते हैं? समझाइए। [3]

अथवा

सूचनाओं के प्रमुख स्रोत कौनसे हैं? लिखिए।

खण्ड-द

15. **निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** **[6]**

उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी॥
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायऊ॥
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तब मृदुल सुभाऊ॥
मम हित लागी तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता॥

अथवा

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक–
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत

16. **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** **[6]**

फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।

अथवा

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

17. निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली द्वारा बिजली उपकरणों की आपूर्ति हेतु निर्धारित प्रारूप में एक निविदा लिखिए। [4]

अथवा

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्यपुस्तक विक्रेताओं को बोर्ड कार्यालय, इलाहाबाद में पंजीयन करवाने हेतु विज्ञप्ति लिखिए।

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबन्ध लिखिए। [5]

(1) वैवाहिक उत्सवों में बढ़ता दिखावा
(2) हमारे बुजुर्ग — हमारी धरोहर
(3) मेरा पहला शैक्षणिक भ्रमण
(4) बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ : कारण और निवारण

अनिवार्य हिन्दी कक्षा 12

आरोह भाग-2

काव्य-खण्ड

1. हरिवंश राय बच्चन

कवि परिचय–आधुनिक हिन्दी साहित्य में हालावाद के प्रवर्तक डॉ. हरिवंश राय 'बच्चन' का जन्म सन् 1907 ई. को इलाहाबाद में हुआ। इनके पिता का नाम प्रतापनारायण और माता का नाम सरस्वती देवी था। इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण की तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की। ये इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे, फिर आकाशवाणी के साहित्यिक कार्यक्रमों से सम्बद्ध तथा विदेश मन्त्रालय में हिन्दी विशेषज्ञ रहे। सन् 1966 में राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति द्वारा नामित हुए। इसी वर्ष इन्हें 'सोवियत भूमि नेहरू पुरस्कार' मिला। सन् 1969 में 'दो चट्टानें' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। सन् 1976 में इन्हें 'पद्मभूषण' तथा सन् 1992 में 'सरस्वती पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। जनवरी सन् 2003 में मुम्बई में इनका निधन हुआ।

कवि हरिवंश राय बच्चन का कृतित्व अतीव महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इनकी प्रमुख रचनाओं के नाम हैं— मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा-निमन्त्रण, आकुल-अन्तर, एकान्त संगीत, मिलनयामिनी, सतरंगिणी, आरती और अंगारे, नये-पुराने झरोखे, टूटी-फूटी कड़ियाँ (काव्य-संग्रह); क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक (आत्मकथा चार खण्ड) तथा प्रवास की डायरी आदि। बच्चनजी के समस्त वाङ्मय को 'बच्चन ग्रन्थावली' नाम से दस खण्डों में प्रकाशित किया गया है।

कविता-परिचय–प्रस्तुत पाठ में हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित 'आत्म-परिचय' कविता 'निशा-निमन्त्रण' काव्य-संग्रह का एक गीत संकलित है। इस गीत में यह प्रतिपादित किया गया है कि अपने को जानना दुनिया को जानने से भी अधिक कठिन है। समाज से व्यक्ति का सम्बन्ध खट्टा-मीठा तो होता ही है, जग-जीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना सम्भव नहीं है। व्यक्ति को चाहे दूसरों के आक्षेप कष्टकारी लगें, परन्तु अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का उत्स, उसका परिवेश ही उसकी दुनिया है। सांसारिक द्विधात्मक सम्बन्धों के रहते हुए भी व्यक्ति जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सकता है। पाठ में संकलित 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत में कवि हरिवंश राय बच्चन ने अपने जीवन के अकेलेपन की कुण्ठा अभिव्यक्त की है। यात्रा-पथ पर चलता हुआ पथिक 'अब मंजिल पास ही है' ऐसा सोचकर अधिक तेजी से चलने लगता है। वह सोचता है कि घर पर लोग उसकी प्रतीक्षा कर रहे होंगे, इससे उसके कदमों की गति बढ़ जाती है। लेकिन जब कवि का जीवन एकाकी हो, तो वह किसके लिए ऐसी उत्कण्ठा रखेगा? कवि ने इसमें अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद के कुण्ठामय जीवन का चित्रण करते हुए यह सन्देश दिया है कि जीवन में लक्ष्य-प्राप्ति हेतु संघर्ष करने से उत्साह बढ़ता है, परन्तु प्रेम के अभाव में निराशा और दुर्बलता आती है।

कठिन शब्दार्थ एवं सप्रसंग व्याख्याएँ

1. आत्म-परिचय

(1)

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ;
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ!